Dr. Jitendra Kumar Bairwa
(Asst. Prof. Political Science)

B.A. Part I

(*Political Science*) PAPER –II[nd]

प्रतिनिधि भारतीय राजनीतिक विचारक

प्रश्न– राज्य के कार्यक्षेत्र के विषय में मनु के विचारों का परीक्षण कीजिए। मनु द्वारा प्रतिपादित सप्तांग सिद्धान्त की विवेचना कीजिए।

उत्तर– **राज्य के कार्यक्षेत्र के विषय में मनु के विचार–**

1. प्रजा रक्षण
2. प्रजापालन या लोक कल्याण
3. प्रशासनिक व्यवस्था का निर्वाह
4. अर्थ व्यवस्था का संचालन और नियंत्रण
5. सामाजिक व्यवस्था का नियम और निर्वाह
6. न्याय की व्यवस्था
7. परराष्ट्र सम्बन्धों का संचालन

राजा की सत्ता पर नियंत्रण :–

1. धर्म का नियंत्रण
2. संस्थागत नियंत्रण
3. राजा के लिए दण्ड विधान
4. राजा के व्यक्तिगत गुण, प्रशिक्षण और दिनचर्या

राज्य का सप्तांग सिद्धान्त :–जो निम्न है :

1. स्वामी
2. अमात्य (मंत्री)
3. पुर
4. राष्ट्र
5. कोष
6. दण्ड
7. मित्र

प्रश्न– मनु ने परराष्ट्र सम्बन्धों के प्रसंग में किन सिद्धान्तों का प्रतिपादन किया।

उत्तर– **दो सिद्धान्त :–**

1. मण्डल सिद्धान्त
2. षाड्गुण्य नीति

प्रश्न– कौटिल्य के सप्तांग सिद्धांत की विवेचना करते हुए इसके परराष्ट्र सम्बन्धों का वर्णन कीजिए।

उत्तर– **कौटिल्य का सप्तांग सिद्धान्त :–**

1. स्वामी
2. अमात्य
3. जनपद
4. दुर्ग
5. कोष
6. दण्ड अथवा सेना
6. मित्र

परराष्ट्र सम्बन्ध या वैदेशिक सम्बन्ध– इसको दो भागें में रखा है :–

1. **मण्डल सिद्धान्त :–** इसमें 12 राज्यों का समूह राज्य मण्डल कहलाता है जैसे :–
   1. विजिगीषु
   2. अरि
   3. मित्र
   4. अरि–मित्र
   5. शत्रु
   6. अरि मित्र–मित्र
   7. पार्णिग्राह
   8. आकान्द
   9. पार्ष्णिग्राहसार
   10. आक्रान्दासार
   11. मध्यम
   12. उदासीन

षाड्गुण्य नीति :– इसके 6 लक्षण है –

1. संधि
2. विग्रह
3. यान
4. आसन
5. संश्रय
6. द्वैधीभाव

प्रश्न– कौटिल्य के अनुसार कितने प्रकार के न्यायालय बतलाये है?

उत्तर– कौटिल्य ने दो प्रकार के न्यायालय बताये है –

1. धर्मस्थीय
2. कण्टक शोधन

प्रश्न– कौटिल्य के अनुसार कानून के स्त्रोत बतलाइए।

उत्तर– चार स्त्रोत बताए है :–

1. धर्म अथवा धर्मशास्त्र
2. व्यवहार
3. प्रथा
4. न्याय

प्रश्न– राज्य के कार्यक्षेत्र के सम्बन्ध में शुक्र की विचारधारा की विवचेना कीजिए।

उत्तर– शुक्र का विचार है कि राज्य के द्वारा अपने समस्त प्रयाजन को धर्म, अर्थ और काम की प्राप्ति में सभी प्रकार की सहायता की जानी चाहिए। शुक्र के अनुसार राज्य के कार्यक्षेत्र के कुछ प्रमुख विषय ये है :–

1. प्रजा की रक्षा
2. लोक कल्याण के कार्य
3. आर्थिक गतिविधियों का नियमन और प्रबन्ध
4. प्रशासनिक व्ययवस्था का सुसंचालन
5. न्याय की व्यवस्था
6. राज्य के शिक्षा सम्बन्धी दायित्व
7. राज्य के सामाजिक दायित्व
8. नैतिक और धार्मिक कार्य
9. परराष्ट्र सम्बन्धों का संचालन

J.D.P.G. COLLEGE

शासक (राजा) की सत्ता पर नियंत्रण :–

शासक की सत्ता पर विशेष रूप से निम्न नियंत्रणों की व्यवस्था की गई है :–

1. धर्म और नीति का नियंत्रण
2. शासक पर वित्तीय नियंत्रण
3. मंत्रीयों और समासदों से परामर्श की अनिवार्यता
4. शासकीय दायित्वों की उपेक्षा के लौकिक और पारलौकिक दृष्टि परिणाम
5. जनता व जनमत का नियंत्रण
6. राजा के व्यक्तिगत गुण और कठोर दिनचर्या

प्रश्न– 'दण्डनीति' से शुक्र का आशय क्या है?

उत्तर– दण्डनीति में न्याय और अन्याय आते है शुक्रनीति के अनुसार, दृष्टों के दमन को दण्ड कहते है। इसी कारण राजा दण्ड रूप में राजा की नीति दण्डनीति है।

प्रश्न– वैदेशिक सम्बन्धों के संचालन के साधन बतलाइए।

उत्तर– शुक्र और प्राचीन भारतीय साहित्य के अनुसार तीन प्रकार के साधन है :–

1. दूत व्यवस्था
2. गुप्तचर व्यवस्था
3. सैन्य बल

प्रश्न– शुक्र ने कितने प्रकार के उपाय बताये है?

उत्तर– चार प्रकार के उपाय :–

1. साम
2. दाम
3. भेद
4. दण्ड

प्रश्न– राजा राम मोहन राय के राजनीतिक धार्मिक व सामाजिक विचारों की विवेचना कीजिए।

उत्तर– राजनीतिक विचार : जो निम्न है –

1. वैयक्तिक एवं राष्ट्रीय स्वतंत्रता का प्रतिपादन
2. प्रेस की स्वतंत्रता
3. न्यायिक व्यवस्था का स्वरूप
4. प्रशासनिक व्यवस्था का स्वरूप
5. राजनीति और कानून के माध्यम से समाज सुधार
6. मानवतावाद और विश्व–बन्धुत्व

राय के धार्मिक विचार :–

1. ऐकेश्वरवाद का प्रतिपादन और बहुदेववाद का खण्डन
2. मूर्ति–पूजा और बलि–प्रथा का विरोध
3. परम्पराओं के अन्धानुकरण का विरोध
4. धार्मिक सहिष्णुता का प्रतिपादन

सामाजिक विचार –

1. परम्परावादिता का विरोध
2. सती प्रथा का विरोध
3. नारी स्वतंत्रता, नारी–अधिकार, नारी–शिक्षा और नारी–उद्धार
4. जाति प्रथा और जातिगत संकीर्णताओं का विरोध

प्रश्न– राजा राम मोहन राय का योगदान बतलाते हुए चार प्रमुख बाते लिखिए।

उत्तर– 1. बुद्धिवादी दृष्टिकोण
2. पुनर्जागरण के प्रथम अधिवक्ता
3. शक्तिशाली धर्म और समाज सुधारक
4. राष्ट्रीय आन्दोलन में योगदान

प्रश्न– राय ने सबसे अधिक प्रमुख रूप से किस संस्था की और कब स्थापना की।

उत्तर– 1828 ई. में ब्रह्मसमाज की स्थापना।

प्रश्न– गोखले के राजनीतिक व आर्थिक विचारों का वर्णन कीजिए।

उत्तर– राजनीतिक विचार व कार्य :–

1. ब्रिटिश जाति की उदारता और न्यायप्रियता में विश्वास
2. भारत–ब्रिटिश सहयोग का प्रतिपादन, लेकिन ब्रिटिश शासकों के सामाजवादी रवैया की निर्मिक आलोचना
3. संवैधानिक साधनों और वैधानिक आन्दोलन में अडिग विश्वास
4. स्वशासन की धारणा
5. सत्ता के केन्द्रीकरण का विरोध
6. प्रशासनिक सुधारों की आकांक्षा और तत्कालीन मांगे
7. साम्प्रदायिक एकता में अटूट विश्वास
8. स्वदेशी का समर्थन, लेकिन बहिष्कार के प्रति शंकाऐं।
9. राजनीति का आध्यात्मिककरण

गोखले के आर्थिक विचार :–

1. भारत के भारी सैनिक और प्रशासनिक क्रय में कमी का आग्रह
2. भारत में रेलों के विस्तार को प्राथमिकता देने का विरोध
3. मुक्त व्यापार की नीति के प्रति आशंकाए और विरोध
4. ग्रामीण ऋणग्रस्तता के प्रति चिन्ता और कृषि में सुधार पर बल
5. जनता पर करों के भार को कम करने पर बल

J.D.P.G. COLLEGE

6. औद्योगिक विकास पर बल
7. वित्तीय विकेन्द्रीकरण और अन्य सुधार।

प्रश्न– गोखले का राजनीतिक वसीयतनामा का आशय क्या है?

उत्तर– बम्बई के गवर्नर लार्ड विलिंगटन के आग्रह पर गोखले ने वैधानिक सुधारों की एक योजना तैयार की जिसे युद्ध के बाद क्रियान्वित किया जाना चाहिए था यह योजना अगस्त 1917 में प्रकाशित हुई और इसे ही गोखले का राजनीतिक वसीयतनामा कहा गया है।

प्रश्न– स्वामी दयानन्द के सामाजिक चिन्तन की प्रमुख बाते लिखिए।

उत्तर– 1. गुण पर आधारित वर्ण व्यवस्था का समर्थन
2. आश्रम सिद्धांत का समर्थन
3. नारी गरिमा को प्रबल समर्थन
4. सामाजिक कुरीतियों के प्रबल विरोधी

प्रश्न– स्वामी दयानन्द के प्रमुख धार्मिक विचार लिखिए।

उत्तर– 1. एकेश्वरवाद में विश्वास
2. मूर्ति पूजा का विरोध
3. शुद्धि आन्दोलन
4. धार्मिक क्षेत्र में जो सम्पूर्ण अंशों में समानता के सिद्धान्त का समर्थन

प्रश्न– लोकमान्य तिलक के राजनीतिक विचार, शिक्षा व समाज सुधार के विचारों का वर्णन कीजिए।

उत्तर– राजनीतिक विचार :–
1. सांस्कृतिक राष्ट्रवाद में विश्वास
2. अंग्रेजों की न्यायप्रियता और उदारवादी राष्ट्रवाद में अविश्वास
3. लोकतांत्रिक स्वराज्य के प्रतिपादक
4. जनमत, जनशक्ति तथा जन सम्पर्क और प्रेस की शक्ति में विश्वास

शिक्षा सम्बन्धी विचार :–
1. औद्योगिक एवं तकनीकी शिक्षा पाठ्यक्रम का अंग बने
2. धार्मिक शिक्षा पर बल
3. शिक्षा का माध्यम मातृभाषा
4. एक राष्ट्रभाषा और एक लिपि का समर्थन
5. राजनीतिक शिक्षा

तिलक के समाज सुधार सम्बन्धी कार्य :–
1. समाज सुधार की तुलना में राजनीतिक स्वतंत्रता को प्राथमिकता
2. समाज–सुधार कार्य में ब्रिटिश शासन और विदेशी नौकरशाही के हस्तक्षेप का विरोध
3. समाज सुधार का कार्य शनैः शनैः और जनमत से ही सम्भव।
4. पश्चिम के सामाजिक जीवन के अन्धानुकरण और ईसाई मत के प्रसार का विरोध

प्रश्न– तिलक ने किन पत्रों का प्रकाशन प्रारम्भ किया।

उत्तर– अपने मित्र आगरकर के साथ मिलकर इन्होने दो साप्ताहिक पत्रों मराठी भाषा में केसरी और अंग्रेजी भाषा में मराठा का प्रकाशन प्रारम्भ किया।

प्रश्न– तिलक द्वारा रचित सबसे प्रमुख पुस्तकों के नाम बताइऐ।

उत्तर– 1. दि ओरियन 2. गीता रहस्य
3. दि आर्कटिक होम ऑफ दी वेदाज

प्रश्न– स्वराज से तिलक का आशय क्या था।

उत्तर– तिलक का आशय था, ब्रिटिश साम्राज्य के अन्तर्गत स्वराज्य। भारत ब्रिटिश सामाज का अंग बना रहे, लेकिन भारत के आन्तरिक मामलों का संचालन और प्रबंध भारतवासियों के हाथों में हो।

प्रश्न– गांधी जी के आर्थिक व सामाजिक विचार का वर्णन कीजिए।

उत्तर– आर्थिक विचार :–
1. औद्योगिकीकरण का विरोध
2. कुटीर उद्योग–धन्धों का समर्थन
3. व्यक्तिगत सम्पत्ति और प्रन्यास धारणा
4. अपरिग्रह का सिद्धान्त
5. वर्ग सहयोग की धारणा

सामाजिक विचार :–
1. वर्ग–व्यवस्था
2. अस्पृश्चता का अन्त
3. साम्प्रदायिक एकता
4. स्त्री सुधार
5. बुनियादी शिक्षा

देन :–
1. सार्वजनिक जीवन में सत्य और अंहिसा को अपनाना।
2. राजनीति को नैतिकता के उच्च स्तर तक पहुचाना
3. राजनीतिक स्वाधीनता के साथ सामाजिक व आर्थिक स्वाधीनता का प्रतिपादन
4. व्यक्ति के महत्व तथा मानवीय शक्तियों में विश्वास को जाग्रत करना।

प्रश्न– गांधी जी ने अंहिसा की तीन अवस्थाएं क्या बताई है।

J.D.P.G. COLLEGE

उत्तर– 1. जागृत अंहिसा
2. औचित्यपूर्ण अंहिसा
4. कायरो की अहिंसा

प्रश्न– सत्याग्रह का आशय क्या है?
उत्तर– अपने विरोधियों को दुखी बनाने के बजाय, स्वयं अपने पर दुख डालकर सत्य की विजय प्राप्त करना ही सत्याग्रह है।

प्रश्न– गांधी जी के सामाजिक विचारों की प्रमुख बाते लिखिए।
उत्तर– 1. वर्ण व्यवस्था
2. अस्पृश्चयता का अंत
3. बुनियादी शिक्षा

प्रश्न– ''अम्बेडकर दलितों के मसीहा थे।'' दलितोद्वार की दिशा में अम्बेडकर के चिन्तन और कार्यों का विवरण प्रस्तुत करते हुए इस कथन को स्पष्ट कीजिए।
उत्तर– कार्य :–
1. जाति–प्रथा और हिन्दू समाज के परम्परागत विधान पर कठोर प्रहार
2. स्वयं अछूतों के जीवन और प्रवृत्तियों में सुधार पर बल
3. अछूतों को सभी सार्वजनिक स्थानों के प्रयोग का अधिकार
4. दलितों के लिए पृथक प्रतिनिधित्व
5. दलितों की स्थिति में सुधार के कानूनी उपाय
6. धर्म परिवर्तन

डॉ. अम्बेडकर की देन :–
1. वर्ग व्यवस्था और जाति व्यवस्था पर उचित एवं आवश्यक तथा शक्तिशाली प्रहार
2. दलितों के मसीहा
3. दलितोद्वार के प्रति यथार्थवादी दृष्टि
4. नारी उत्थान की दिशा में कार्य
5. भारतीय संविधान के निर्माण में प्रमुख भूमिका
6. सामाजिक लोकतंत्र का प्रतिपादन

प्रश्न– दलितोद्वार की दिशा में डॉ. अम्बेडकर के कार्य बतलाइए।
उत्तर–
1. जाति प्रथा और हिन्दू समाज के पम्परागत विधान पर कठोर प्रहार
2. स्वयं अछूतों के जीवन और प्रवृत्तियों में सुधार पर बल
3. अछूतों को सभी सार्वजनिक स्थानों के प्रयोग का अधिकार
4. दलितोद्वार के लिए पृथक –प्रतिनिधित्व
5. धर्म परिवर्तन

प्रश्न– भारत सरकार के कानून मंत्री के रूप में उनका सबसे अधिक महत्वपूर्ण कार्य क्या था?
उत्तर– हिन्दूओं के सामाजिक जीवन में विशेषतया महिलाओं की स्थिति में सुधार हेतु हिन्दू कोड बिल कानून पास करवाना।

प्रश्न– विवेकानन्द के सामाजिक चिन्तन व राजनीतिक चिन्तन पर प्रकाश डालिए।
उत्तर– विवेकानन्द का सामाजिक चिन्तन :–
1. अस्पृश्यता का विरोध
2. बाल–विवाह का विरोध
3. दलितों का उत्थान
4. आत्म–विश्वास पर जोर
5. शिक्षा सम्बन्धी विचार

स्वामी विवेकानन्द का राजनीतिक दर्शन :–
1. राष्ट्रवाद का धार्मिक सिद्धान्त
2. स्वतंत्रता सम्बन्धी धारणा
3. शक्ति और निर्भयता का संदेश
4. व्यक्ति की गरिमा
5. अधिकारों की अपेक्षा कर्तव्यों पर बल समाजवाद
6. आदर्श राज्य की धारणा
7. अन्तर्राष्ट्रीयतावाद एवं विश्व बन्धुत्व

प्रश्न– स्वामी विवेकानन्द ने रामकृष्ण मिशन की सर्वप्रथम स्थापना कहां और कब की?
उत्तर– स्वामी विवेकानन्द ने 1897 ई. में कलकत्ता के पास बैलूर में रामकृष्ण मिशन स्थापित किया।

प्रश्न– विवेकानन्द के सामाजिक चिन्तन की दो प्रमुख बाते लिखिए।
उत्तर–
1. अस्पृश्यता का विरोध और दलितों का उत्थान
2. बाल – विवाह का विरोध

प्रश्न– विवेकानन्द को भारत के आध्यात्मिक नेपोलियन कहने का आधार क्या है?
उत्तर– नेपोलियन 'विश्व विजेता' के रूप में जाना जाता है। विवेकानन्द ने विश्व में 'भारत की आध्यात्मिक पताका' फहराई थी। सम्पूर्ण विश्व में हिन्दू धर्म की विजय पताका फहराई थी।

प्रश्न– समंग्र क्रान्ति का आशय क्या है?
उत्तर– आशय :– व्यवस्था में मूलभूत परिवर्तन और ऐसी व्यवस्था की स्थापना जो आर्थिक – सामाजिक न्याय पर आधारित हो।

J.D.P.G. COLLEGE

प्रश्न– विद्यमान लोकतंत्र में सुधार के लिए जयप्रकाश के तीन प्रमुख सुझाव बतलाइए।

उत्तर–'

1. दलविहीन लोकतंत्र
2. परोक्ष–चुनाव की नवीन पद्धति
3. सत्ता का विकेन्द्रीकरण एवं सामुदायिक समाज

प्रश्न– जयप्रकाश नारायण की दो प्रमुख रचनाओं के नाम बताऐ।

उत्तर– 1. समाजवाद, सर्वोदय और लोकतंत्र
2. भारती राजव्यवस्था की पुनः रचना एक सुझाव

प्रश्न– सत्ता के दुरूपयोग को रोकने के लिए जयप्रकाश का सबसे प्रमुख सुझाव क्या है?

उत्तर– आर्थिक सत्ता और राजनीतिक सत्ता का विकेन्द्रीकरण।

प्रश्न– राय के मौलिक मानवतावाद के प्रमुख तत्व बतलाइए।

उत्तर– 1. मानव सम्पूर्ण जीवन का मूल और प्रत्येक वस्तु का आधार
2. मानवीय बुद्धि और विवेक में विश्वास
3. मानतावाद का प्रेरक तत्व स्वतंत्रता
4. धर्म निरपेक्ष नैतिकता से अनुप्रेरित
5. राष्ट्रवाद से मुक्त विश्व बन्धुत्व का समर्थन

प्रश्न– राय ने लोकतंत्र के स्वरूप में परिवर्तन के लिए क्या सुझाव दिए।

उत्तर– 1. जन समितियों के माध्यम से समस्त कार्यों का प्रतिपादन
2. विकेन्द्रित सत्ता पर बल
3. दल बिहिन लोकतंत्र की स्थापना पर बल

J.D.P.G. COLLEGE